भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3817

उत्तर देने की तारीख 24.03.2025

मोन्डियाकल्ट 2025

3817. श्री पी.पी. चौधरी :
श्री रमेश अवस्थी :
श्री योगेन्द्र चांदोलिया :
श्रीमती स्मिता उदय वाघ :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सांस्कृतिक अधिकारों को बढ़ावा देने के संबंध में मोन्डियाकल्ट 2025 परामर्श में भारत द्वारा की गई विशिष्ट प्रतिबद्धताओं का ब्यौरा क्या है तथा महाराष्ट्र राज्य में इन प्रतिबद्धताओं का क्रियान्वयन किस प्रकार किए जाने की संभावना है;

(ख) विशेषकर महाराष्ट्र के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में संस्कृति और कला शिक्षा के लिए यूनेस्को फ्रेमवर्क (2024) के अनुरूप, शिक्षा में संस्कृति का एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भारत ने सांस्कृतिक विविधता और बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव के संबंध में कोई विशिष्ट पहल या नीति सिफारिशें प्रस्तावित की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा महाराष्ट्र के सांस्कृतिक क्षेत्र पर इसके क्या प्रभाव होंगे;

(घ) बार्सिलोना में आगामी मोन्डियाकल्ट 2025 सम्मेलन में वैश्विक सांस्कृतिक नीतियों को आकार देने में भारत की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है तथा महाराष्ट्र इन प्रयासों में किस प्रकार योगदान दे रहा है; और

(ड.) मोन्डियाकल्ट 2025 में की गई भारत की सांस्कृतिक विरासत की नीतिगत प्रतिबद्धताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए महाराष्ट्र हेतु नियोजित विशिष्ट पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): सांस्कृतिक नीतियों और सतत विकास पर यूनेस्को विश्व सम्मेलन - मोन्डियाकल्ट हर चार साल में आयोजित होने वाला एक अंतर-सरकारी मंच है, जिसमें यूनेस्को के 194 सदस्य देश मिलकर संस्कृति के लिए वैश्विक एजेंडा तय करने के लिए एक साथ मिलकर कार्य करते हैं। सम्मेलन का उद्देश्य 2030 के बाद के सतत विकास एजेंडे में संस्कृति को 'स्वतंत्र' (स्टैंड अलोन) लक्ष्य के रूप में घोषित करने के लिए आम सहमति कायम करना और उसे गति प्रदान करना है। मोन्डियाकल्ट 2025 के दो फोकस क्षेत्र हैं शांति के लिए संस्कृति और कृत्रिम मेधा और कलाकारों के बौद्धिक परिसंपत्ति (आईपी) अधिकारों सहित संस्कृति।

मोन्डियाकल्ट में भारत का प्रतिनिधित्व संस्कृति मंत्री द्वारा किया जाता है, जो महाराष्ट्र सहित संपूर्ण भारत से संबंधित राष्ट्रीय दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सांस्कृतिक विरासत को शैक्षिक पाठ्यक्रम में एकीकृत करने के लिए सीसीआरटी के माध्यम से इस मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित पहलें की गई हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे भारत में छात्र अपने सांस्कृतिक मूल से गहरा जुड़ाव विकसित करें:

i. सेवारत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों और प्रशासकों के उद्देश्य से विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके सांस्कृतिक विरासत को शिक्षाशास्त्र में शामिल करना।

ii. अपने सभी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का कार्यान्वयन करते हुए यह सुनिश्चित करना कि सांस्कृतिक शिक्षा समग्र और बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एनईपी के दृष्टिकोण के अनुरूप हो।

iii. भारतीय कला और संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों और शोधकर्ताओं के बीच सांस्कृतिक अनुसंधान और कलात्मक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति प्रदान करना।

iv. शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों/छात्रवृत्ति धारकों के लिए भारतीय कला और संस्कृति पर सैद्धांतिक और विषय आधारित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करना, जिससे प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति का मूलभूत स्तर पर प्रसार और प्रचार हो सके।

(घ): भारत यूनेस्को के मोन्डियाकल्ट 2025 के लिए एशियाई और प्रशांत देशों के क्षेत्रीय परामर्श का अध्यक्ष है। मोन्डियाकल्ट 2025 का आयोजन 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित किया जाएगा। इस क्षमता में, भारत चिली, केन्या, लातविया, मोरक्को और स्पेन में शामिल हो गया है, जो अपने-अपने क्षेत्रों के लिए परामर्श का नेतृत्व कर रहे हैं।

यूनेस्को ने 5-6 फरवरी 2025 को एशियाई और प्रशांत देशों के लिए एक क्षेत्रीय परामर्श की मेजबानी की, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार के संस्कृति और पर्यटन मंत्री ने की। परामर्श में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 39 सदस्य देशों के मंत्रियों, उप मंत्रियों, अंतर-सरकारी संगठनों, क्षेत्रीय गैर सरकारी संगठनों, श्रेणी II केंद्रों और यूनेस्को अध्यक्षों सहित प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था।

क्षेत्रीय परामर्श आम समझ कायम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं जिससे सम्मेलन की प्रक्रिया को मार्गदर्शन प्राप्त होगा और यह सुनिश्चित होगा कि क्षेत्रीय दृष्टिकोण प्रभावी रूप से मोन्डियाकल्ट 2025 के परिणामों में एकीकृत हों।

(ड.): मोन्डियाकल्ट एक अंतर-सरकारी मंच और संस्कृति नीतियों से संबंधित विश्व सम्मेलन है जिसका प्रतिनिधित्व संस्कृति मंत्री करते हैं, जो महाराष्ट्र सहित संपूर्ण भारत से संबंधित राष्ट्रीय दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

*****